

## हमिलयी क्षेत्र में जलवदियुत परियोजनाओं का प्रभाव

### प्रलिस के लयि:

केंद्रीय वदियुत प्राधकिरण, भूस्खलन, भूकंप, सतत् हमिलयी पारसिथितिकी तंत्र पर राषट्रीय मशिन, जलवायु परविरतन पर राषट्रीय कार्ययोजना

### मेन्स के लयि:

हमिलय क्षेत्र में जलवदियुत परियोजनाओं का प्रभाव ।

## चरचा में क्यो?

हाल के वर्षों में [हमिलयी क्षेत्र में जलवदियुत परियोजनाओं](#) से जुडी आपदाओं की आवृत्ता अधिक रही है ।

## हमिलयी क्षेत्र में जलवदियुत परियोजनाओं की क्षमता:

- वदियुत उत्पादन हेतु संसाधन का उपयोग करने के लयि अपने प्रचुर जल नकियों और आदर्श स्थलाकृती के साथ हमिलयी क्षेत्र को भारत का पावर हाउस माना जाता है ।
- सरकारी अनुमान बताते हैं कइस क्षेत्र में **46,850 मेगावाट की स्थापति क्षमता के साथ 1,15,550 मेगावाट की उत्पादन क्षमता** है ।
- नवंबर 2022 तक इस क्षेत्र के **10 राज्यों** और दो केंद्रशासति प्रदेशों में **81 बडी जलवदियुत परियोजनाएँ** (25 मेगावाट से अधिक) और 26 परियोजनाएँ नरिमाणाधीन थीं ।
- केंद्रीय वदियुत मंत्रालय के तहत [केंद्रीय वदियुत प्राधकिरण](#) के अनुसार, अन्य **320 बडी परियोजनाएँ** वचिाराधीन हैं ।

## हमिलयी क्षेत्र में जलवदियुत परियोजनाओं का जोखमि और प्रभाव:

### भेद्यता:

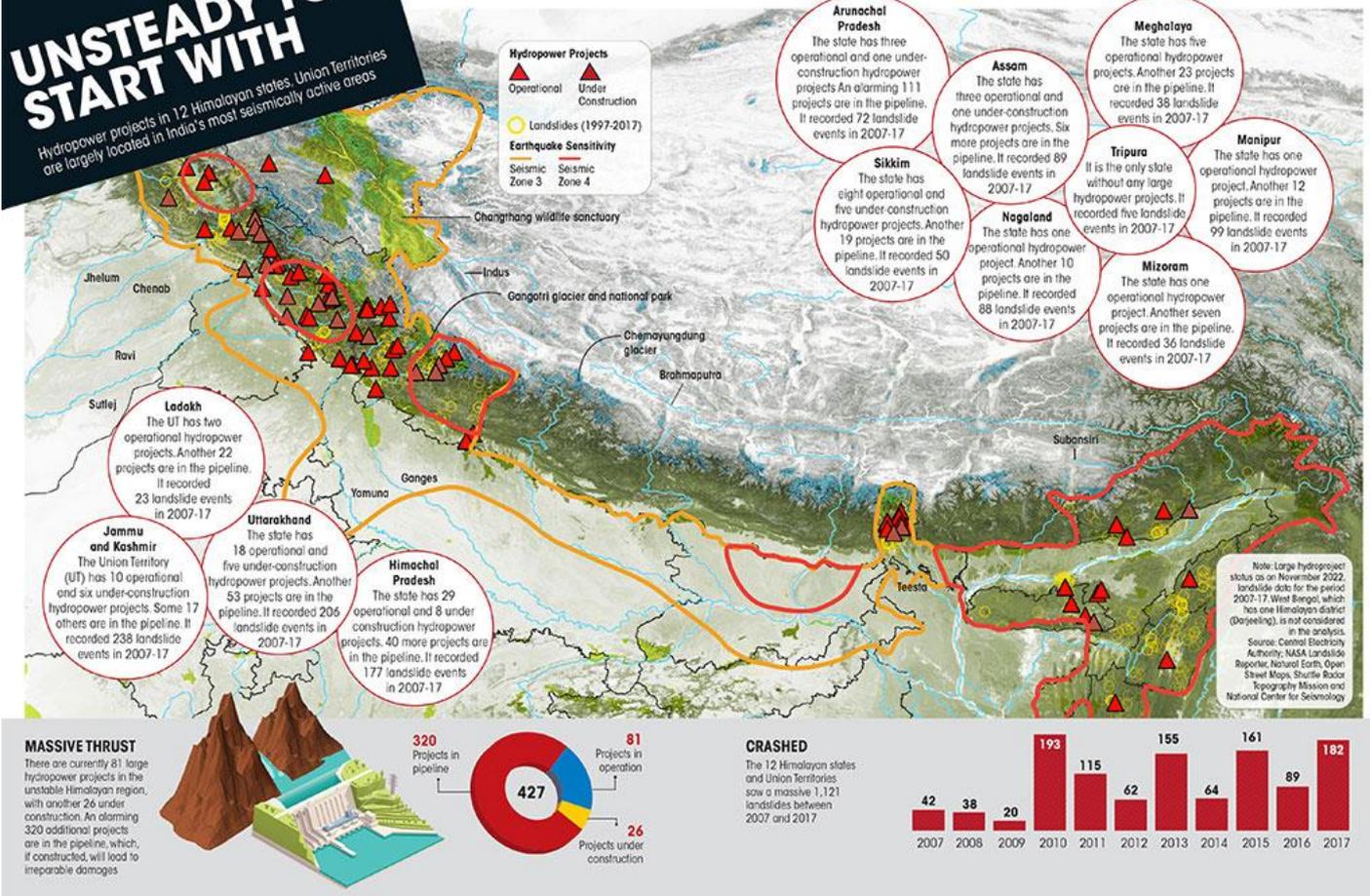
- हमिलय [भूकंपीय रूप से सकरयि क्षेत्र](#) का हसिसा है ।
- इस तथ्य के बावजूद कइ हमिलय का पर्यावरण और भूकंपीय गतविधि इसकी नदी घाटियों को [भूस्खलन](#) हेतु प्रवण बनाती है, जलवदियुत परियोजनाओं में वृद्धि देखी जा रही है । उत्तराखंड के जोशीमठ में जहाँ [भूस्खलन](#) के कारण 800 से अधिक संरचनाओं में [दरारें](#) आई हैं, सरकार ने 5 जनवरी, 2023 को नरिमाण पर प्रतबिंध लगा दया, जसिमें तपोवन वषिणुगढ जलवदियुत परियोजना का काम भी शामिल है ।

### प्रभाव:

- हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में जलवदियुत परियोजनाएँ अधिक हो गई हैं और इन परियोजनाओं से जुडी आपदाओं में वृद्धि देखी गई है ।
- वर्ष 2012 में [अस्सी गंगा नदी](#) में आई बाढ ने [अस्सी गंगा जलवदियुत परियोजनाओं \(Assi Ganga hydroelectric projects-HEP\)](#) 1 एवं 2 को क्षतगिरस्त कर दया था ।
- वर्ष 2013 की [केदारनाथ बाढ](#) ने [फाटा-बयुंग, सगिली-भटवारी और वषिणुप्रयाग HEP](#) को [बुरी तरह क्षतगिरस्त](#) कर दया था ।
- वर्ष 2021 में [भूस्खलन और हमिस्खलन के कारण ऋषिगंगा परियोजना नषट हो गई](#) और [वषिणुगढ-तपोवन HEP](#) क्षतगिरस्त हो गई, इस घटना में **200 से अधिक लोग मारे गए** और लगभग 1500 करोड रुपए का नुकसान हुआ ।
- वभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, वषिणुगढ-तपोवन इलाके में स्थिति गंभीर होने के कारण पहले से ही आवरती (बार-बार) क्षतिका सामना करना पडा है ।
- दसंबर, 2022 में [हमिचल प्रदेश के कनिनौर ज़िले](#) के उरनी में गंभीर ढाल परविरतन के कारण [भूस्खलन की घटना देखी गई](#), यह घटना उस क्षेत्र में हुई जहाँ **1,091 मेगावाट की करछम वांगटू जलवदियुत संयंत्र हेतु नरिमाण कार्य चल रहा था** ।
- इन भूस्खलन की घटनाओं के कारण झीलों के जमने, झील का फटना, द्वतीयक भूस्खलन तथा नचिले क्षेत्रों में बाढ आती है जसिसे सामान्यतः पर्यावरण और आस-पास के समुदाय प्रभावति होते हैं ।

# UNSTEADY TO START WITH

Hydropower projects in 12 Himalayan states, Union Territories are largely located in India's most seismically active areas



//

## सरकारी पहल:

- नेशनल मशिन ऑन सस्टेनगि हिमालयन इकोसिस्टम (NMSHE) जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना (National Action Plan on Climate Change- NAPCC) के तहत आठ मशिनों में से एक है। इसका उद्देश्य हिमालय के ग्लेशियरों, पर्वतीय पारिस्थितिक तंत्र, जैवविविधता एवं वन्यजीव संरक्षण तथा सुरक्षा हेतु उपाय सुनिश्चित करना है।
- बड़े जलवदियुत संयंत्रों का पर्यावरण प्रभाव आकलन करना।

## प्रभाव को कम करने हेतु आवश्यक पहल:

- हाल के वर्षों में हिमालय में भूस्खलन से उत्पन्न जोखिम बढ़ गए हैं, जिससे जलवदियुत परियोजनाएँ अधिक खतरनाक और अस्थिर हो गई हैं।
- वर्तमान वैज्ञानिक आँकड़ों के आधार पर इन परियोजनाओं का पुनर्मूल्यांकन करने की सख्त आवश्यकता है।
- हिमालय में अधिकांश मौजूदा अथवा नरिमाणाधीन परियोजनाओं की परकिल्पना 10-15 वर्ष पहले की गई थी, सरकार को नवीन वैज्ञानिक दृष्टिकोणों को अपनाते हुए उचित नरिणय लेना चाहिये।
- परियोजना पर नरिणय लेने से पूर्व परियोजना के पक्ष में स्थानीय पंचायत की लखिति सहमतलि जानी चाहिये।
- हिमालय क्षेत्र में HEP के प्रभाव का अध्ययन करने के लिये वशिषज्ज समति का गठन कयि जाने की आवश्यकता है। उदाहरण के लखिलकनंदा और भागीरथी बेसनि में ऐसी 24 जलवदियुत परियोजनाओं की भूमिका की जाँच हेतु संबद्ध मंत्रालय द्वारा स्थापति रवचोपडा समति।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. पश्चिमी घाट की तुलना में हिमालय में भूस्खलन की घटनाओं के प्रायः होते रहने के कारण बताइये। (2013)

प्रश्न. भूस्खलन के वभिनिन कारणों और प्रभावों का वर्णन कीजिये। राष्ट्रीय भूस्खलन जोखिम प्रबंधन रणनीतिके महत्त्वपूर्ण घटकों का उल्लेख कीजिये। (2021)

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/impacts-of-hydropower-projects-in-the-himalayan-region>

